

"মিষ্টি বাচ্চারা - অধ্যয়নের মাধ্যমেই তোমাদের রাজত্ব নিতে হবে, এই অধ্যয়নই তোমাদের দ্বিমুকুটধারী করে দেবে, তোমরা নিজেদের জন্য আপন রাজ্য স্থাপন করে থাকো"

\*প্রশ্নঃ - কোন্ কৰ্তব্য একমাত্র বাবারই যার জন্য মানুষ পুরুষার্থ তো অনেক করে কিন্তু তা করতে পারে না ?

\*উত্তরঃ - অশান্ত জগৎকে শান্ত করা -- এই কার্য কেবলমাত্র বাবারই। মানুষ পুরুষার্থ করে, সকলে মিলেমিশে এক হয়ে যাক। সমগ্র বিশ্বে শান্তি বিরাজ করুক। একে-অপরকে শান্তি পুরস্কারও দেয়। কিন্তু তাদের জানা নেই যে যখন দুনিয়ায় রাম-রাজ্য ছিল তখন শান্তি ছিল, এখন রাবণ-রাজ্য, এখানে শান্তি থাকতেই পারে না।

ওম্ শান্তি । বাচ্চাদের মনে এটা এসেছে যে পারলৌকিক পিতা এসেছেন নিয়ে যাওয়ার জন্য। কোথায় নিয়ে যাবে ? শান্তিধামে। তারপর কি হবে ? যারা ভালভাবে পড়েছে তারা সুখধামে আসবে। ওখানে আসতে হবে ভায়া মুক্তিধাম থেকে। আত্মা বোঝে যে অসীম জগতের পিতা সুখ প্রদানের জন্য এসেছেন। সারাদিন একথা স্মরণে থাকতে পারে। যাদের নিশ্চয় নেই তারা আসতে পারে না। তোমরা হলে ঈশ্বরীয় সন্তান। বাবাও বোঝেন যে আমি বাচ্চাদের সম্মুখে এসেছি। অবশ্যই কল্প-পূর্বেও পতিত ব্রষ্টাচারী দুনিয়ায় এসেছিলেন। এখানে সকলেই ব্রষ্টাচারী, ওখানে সকলেই হলো শ্রেষ্ঠাচারী। যেমন রাজা-রানী তেমনই প্রজা। এই খেলা হলো ঈশ্বরীয় সম্প্রদায় এবং আসুরীয় সম্প্রদায়ের।

গীত : - কে এইসকল খেলা রচনা করেছে....

যখন কোনো গান বাজে তখন হৃদয়ে আসা উচিত যে বাবা আমাদের অনেক উচ্চ (পদমর্যাদাসম্পন্ন) বানিয়েছেন। সর্বোচ্চ পিতা অবশ্যই উচ্চই বানাবেন। এমন পিতার মহিমাও অনেক। কেউ যদি কিছু করে তখন তার মহিমা করা হয়। অমুকে এই কাজ-কর্ম খুবই ভালো। অমুক মানুষটি খুব হুশিয়ার। প্রত্যেকের ভিতরেই গুণ থাকে। পরমপিতা পরমাত্মার ভূমিকা সবচেয়ে বড়। প্রত্যেক মানুষমাত্রই আপন-আপন ভূমিকা প্রাপ্ত করেছে। পরমপিতা পরমাত্মারও সর্ব-বৃহৎ ভূমিকা প্রাপ্ত হয়েছে। এই ড্রামায় সর্ব-বৃহৎ, মুখ্য ভূমিকা পালন করেন কে ? কৌরব আর পান্ডব দু'পক্ষকেই ভাই-ভাই দেখানো হয়েছে তারপর ওই তরফে এইসমস্ত বড়-বড় ভীষ্ম পিতামহ, অশ্বত্থামা ইত্যাদি বিদ্বান, পন্ডিতদের নাম রয়েছে। এখন বিদ্বানেরা যুদ্ধের ময়দানে লড়াই করবে নাকি! এমন নিয়ম নেই। মিথ্যা কায়া মিথ্যা মায়া.....রাবণ অসত্য, রাম সত্য বানান (পথে নিয়ে যায়)। পরমপিতা পরমাত্মাকেই সত্য বলা হয়। ঈশ্বরই সত্য, ঈশ্বর অদ্বিতীয়। বাকি রচয়িতা এবং রচনার বিষয়ে যাকিছু বোঝানো হয় সে'সব হলো অসত্য। এ'সমস্ত হলো জ্ঞানের কথা। জ্ঞানে সত্য কি, মিথ্যা কি তা বাবা এসে বুঝিয়ে থাকেন। ভারতের গীতা জ্ঞান প্রায় বিলুপ্ত হয়ে গেছে। বাকি আটায় নুনের(পরিমাণ) মতন কিছু চিহ্ন রয়ে গেছে। বাবা বলেন -- আমি এসে বাচ্চাদের বেদের, শাস্ত্রের সার কথা শুনিয়ে থাকি। গীতা হলো মুখ্য, যেখানে ভগবানুবাচ রয়েছে। বাবা বলেন -- তোমরা ভগবানের নাম শ্রীকৃষ্ণ লিখে দিয়েছো। কিন্তু বাবা এসে বোঝান যে যাঁকে তোমরা ভগবান বলা তিনি হলেন সত্যযুগের ফার্স্ট প্রিন্স। উনি সর্বপ্রথমে আমার থেকে বিদায় নিয়ে মুক্তিধাম থেকে এসেছিলেন -- সত্যযুগের প্রিন্স হতে। আচ্ছা, শ্রীকৃষ্ণের এত মহিমা, ওঁনার তো বাবাও আছেন, তাই না! যেমন বাবা তেমনই বাচ্চা। শ্রীকৃষ্ণের বাবার মহিমা কোথায় গেল। তিনি কার কাছ থেকে উত্তরাধিকার গ্রহণ করেছেন ? শ্রীকৃষ্ণ হলেন সত্যযুগের সূচনাকালের(আদি)। স্বয়ম্বরের পর লক্ষ্মী-নারায়ণ হয়েছেন। কত ধনশালী ছিলেন। এত ধন-সম্পদ ওঁনাদের কাছে কোথা থেকে এসেছে ? এইসময়ে তো কিছুই নেই। কি হয়েছে ? এত জিনিস কোথা থেকে আর কিভাবে পেয়েছেন ? কে দিয়েছে ? বাচ্চারা, তোমরা জানো যে অসীম জগতের বাবা পড়িয়েছেন। এই পঠন-পাঠনের দ্বারা তোমরা অবশ্যই সত্যযুগের রাজা হয়ে যাবে। যারা ওই অল্পকালের জন্য বিকারী রাজা হয়, তারা কোনো জ্ঞানের মাধ্যমে হয় না। যে অনেক দান-পুণ্য করে সে গিয়ে বিত্তশালীর ঘরে জন্ম নেয়। এখানের তোমরা পঠন-পাঠনের মাধ্যমে রাজা-মহারাজা হয়ে যাও, সেও আবার দ্বিমুকুটধারী। তাই বলা হয় যে সবকিছু করে নিজেই নিজেকে লুকিয়ে নেয়। তোমরা যারা বাচ্চা হয়েছে তোমরা জানো যে বাবা রাজ্য দিয়েছিলেন, বড় সুখী ছিলে। দেবতাদের কত ভালভাবে পূজা করা হয়, পূজা দেখতে হলে শ্রীনাথ দ্বারিকায় যাও। দেবতাদের জড় চিত্রের উপর এত জিনিসপত্র চড়ায়(দান করে) তাহলে স্বয়ং যখন মালিক হবে তখন ভোজন-পানাদি কি-কি ধরণেরই না হবে। নতুন দুনিয়া তো, তাই না! নতুন ক্ষেত্র জিনিস ভাল দেয়। পুরোনো হলে শক্তি কমে যায়। বাচ্চারা, তোমরা সাক্ষাৎকার করেছো। বাবা বোঝান, এরকমই ছিল, তাই না! তারপর কি হলো ? তোমাদের

উপর ५ বিকার-रूपी माया एसे चमक देखाय आर तोमरा काँटा हये पड़ो। बाबलार (बाबुल) तो गाछ हय, तहै ना! ताते अत्यन्त काँटा हय। ताके बला हय काँटार जङ्गल। एहै समय एक-एकजन मानुसहै हलो काँटा। काम-काटारी चलातेहै थाके। मायार चमके रावण-राज्य शुरू हयेछे। तोमरा रयेछे गुप्तबेशे। कारोरहै जाना नेहै।

बाभार, तोमरा एखन पूर्व-कल्लेर मतोहै श्रीमतानुसारे चलछे। केवल पूर्व-कल्लेर मतनहै नय, प्रतिकल्लेर मतन। तोमरा बसे बाबार काछ थेके राजयोगेर शिखलात्त करछे। तोमरा हले अहिंस। तोमरा हले अज्ञातनामा (गुप्त)। तोमरा निजेदेर जानो, दुनिया तो जाने ना ये एहै शक्तिरा गुप्तरीतिते योगबलेर द्वारा विश्वेर उपर निजेदेर दैवी राजस्व स्थापन करछे। तोमरा प्रत्येकेहै निजेदेर राजस्व नेओयार जन्य पुरूस्वार्थ करछे। ओहै सैन्यरा लड़ाहै करे निजेदेर राजस्वेर जन्य। किन्तु तोमरा निजेदेर जन्यहै सबकिछू करो। भारतकेहै स्वर्णयुगे परिणत करो। ये-ये बानाय ताराहै एसे आबार राज्य करबे। तोमरा केवल गुप्तभाबे भारतेरहै सेवा करो। ये करबे से-है फल पाबे। ये परिश्रम करे राजा-रानी वा प्रजा हबे ताराहै आसबे। भारतैहै एसे राज्य करबे। तोमादेर एथाने रयेछे शिव शक्ति पाल्ब सेना। पाल्ब शब्दति पाल्बा कथार उद्देश्ये बला हयेछे। बाबा एसे बुझियेछेन -- प्रधान आध्यात्मिक पाल्बा हलाम आमि। पाल्बदेर मध्ये पुरूस्वओ येमन रयेछे, तेमनहै नारीराओ रयेछे, प्रवृत्तिमार्ग तो, तहै ना! बाकि लड़ाहैयेर तो कोनो कथहै नेहै। शान्तरते तो बसे-बसे किसब लिथे रेथेछे। कत नाम देथानो हयेछे। बाबा बसे थेके बुझियेछेन -- ए'सबहै ड्रामाय निर्धारित। कथित रयेछे, भक्तिर द्वाराहै भगवान प्राप्त हबे। भक्तिर फल प्रदान करा अर्थात् सद्गति करा। तारपर सत्ययुगे भक्ति इत्यादि थाके ना। सन्न्यास धर्मेर (एसेछे) तो अनेक कम समय हयेछे। स्वर्गे एरा आसते पारबे ना। एखन तोमरा जेनेछे ये स्वर्गे कादेर राज्य छिल। कोन धर्म छिल ? बाबा एसे देवी-देवता धर्म स्थापन करेन तखन आबार अन्यान्य धर्म विनाशप्राप्त हये याय। तोमरा हले ईश्वरीय सम्प्रदायेर। ओरा हलो आसुरीय सम्प्रदायेर। ए हलोहै अपवित्र दुनिया। एखन तोमरा सकलेहै बलबे आमरा हलाम ईश्वरेर सन्तान। ईश्वर के ? तिनि हलेन निराकार शिव, ब्रह्मा नय। मानुस मने करे ब्रह्माहै ईश्वर। एखन ब्रह्मके कि परमपिता परमात्मा बलबे नाकि! निजेके ईश्वर बले, नाम राथे ब्रह्मज्ञानी। कोनो अर्थहै नेहै। ब्रह्म हलो महत्तस्व येथाने आमरा आत्मार बास करि। शालग्रामओ बला हये थाके। रूद्र यज्ञ यखन रचना करे तखन परमपिता परमात्मार बड़ शिवलिङ्ग आर छोट-छोट शालग्राम तैरी करे। किन्तु ए'रकम हय ना। परमात्मा बड़ आर आत्मार छोट। उँनाके बला हय परमपिता परमात्मा, सुप्रीम सोल, परमधाम बसवासकारी आत्मा। आत्मा कर्मेन्द्रिय(अरग्यान्स) द्वारा स्मरण करे। एखन एहै समस्त कथा तोमरा जानो। रचयिता आर रचनार आदि-मध्य-अन्त आर मुख्य पाटिधारी के ? किभाबे भूमिका पालन करे ? के कत जन्म नेय ? एहै हिसाब तो हबे, तहै ना! किन्तु एर मध्ये याओयारओ दरकार नेहै। बाबा बलेन, ए हलो तोमादेर आध्यात्मिक जन्म। ४४ जन्म तो ठिकहै आछे। ए हलो आध्यात्मिक कल्याणकारी जन्म। एखन आमादेर कल्याण हबे। सेहैजन्य एके कल्याणकारी जन्म एवं कल्याणकारी युग बला हये थाके। एहै सप्तमके केडैहै जाने ना। सप्तमके युगे-युगे बला हयेछे, तहले ४४ सप्तम राखा हयेछे। बाबा बलेन -- ना, ए तो अबरोहण कलार। सत्ययुग थेके त्रेता हले २ कला कम हये याबे। तारपर द्वापर थेके आरोहै कम हये याबे। अपवित्र हतेहै थाके। ए हलो नानाविध धर्मेर वृष्, कतरकमेर भाषा। कत अशान्ति। बाभार, एखन तोमरा जानो ये स्वर्गे अशान्ति थाकते पारे ना। एथाने अनेकेहै शान्ति पुरस्कार पाय। शान्ति तो नेहै। पुरूस्वार्थ करे ये मिलेमिसे एक हये याक। पोपओ बलेन, ओयाननेस (एकता) हये याक। सकलेहै भाई-भाई किन्तु परस्परेर मध्ये वनिबना केन हय ना ? ओदेर तो ड्रामा जाना नेहै। यखन दुनियाय एक राम-राज्य छिल तखन शान्ति छिल। एखन तो रावण-राज्य। अनेक धर्म रयेछे। एखन एहै अशान्ति थेके पुनराय शान्तिपूर्ण करा अद्वितीय बाबारहै काज, तहै ना! ए तो दुनियार प्रश्न, तहै ना! जगतेर पितार तो चिन्ता थाकबे, तहै ना! बाबा बलेन -- आमिहै दुनियाके शान्तिर पथे निये आसि। भारतै शान्ति छिल, तहै ना! अशान्त आत्मादेर घरे फिरिये निये याहै। ओयार्डेर शान्तिर जन्य ओयार्डेर गडरुदारके आसतेहै हबे। उँनारहै पाटि रयेछे। सेहैजन्य बले ये सबकिछू करे.....सकलके सूख शान्ति दिये तारपर लुकिये पड़ि। एमनभाबे लुकिये पड़ि याते सत्ययुग-त्रेतातेओ केडै जानते पारे ना। द्वापर-कलियुगेओ केडै जानते पारे ना। यतस्वण ना पर्यन्त स्वयं एसे निजेर परिचय देन। देवताराओ जाने ना। आपन आत्माके जाने, बाकि रचनাকে जानते पारे ना।

बाबा बलेन -- एहै नलेज प्राय विलुप्त हये याय। एहै ये एत मन्दिर, शान्तर इत्यादि निर्मित हयेछे, सबकिछूके समाप्त हतेहै हबे। भक्तिमार्गेर एकति जिनिंसओ थाके ना। एखन बाबा बलेन, आमाय अर्थात् अद्वितीय बाबाकेहै स्मरण करो आर सबेर थेके ममस्व दूर करो। सन्न्यासीरा तो एमनभाबे बलते पारबे ना। ओदेर हलो निवृत्तिमार्ग। पवित्र थेके पतित, पतित थेके पवित्र तोमादेरहै हते हबे। सन्न्यासीदेरओ ड्रामाय अनुसारे भूमिका रयेछे। ता नाहले भारत आरोहै

দুঃখী হয়ে পড়বে। মুখ্য কথা হলোই পবিত্রতার। পবিত্রতার শক্তি দ্বারাই তোমরা পতিত সৃষ্টিকে পবিত্র করো, বাবার শ্রীমতানুসারে। আমরা আল্লারা বাবার সাথে চলে যাব। পবিত্র হতে হতেই আমরা পৌঁছে যাব। এই যাত্রা অত্যন্ত আশ্চর্যের। হে রাতের পথিক ক্লান্ত হয়ে যেওনা। সত্যযুগকে দিন বলা হয়। প্রথমে তোমরা সুইটহোমে গিয়ে তারপর দিনে আসবে। তোমরাই আধ্যাত্মিক(রুহানী) যাত্রার ব্রাহ্মণ, কতখানি বোঝার মতন বিষয়। যত বাবাকে স্মরণ করবে পদও ততই উচ্চ প্রাপ্ত করবে। রোজগার অনেক বেশী। না করলে ভস্মীভূত হয়ে যাবে। কিছু পরিশ্রম তো করা উচিত, তাই না! লৌকিক বাবাকে উঠতে-বসতে, চলতে-ফিরতে স্মরণ করে থাকো, তাই না! পারলৌকিক বাবাকে ভুলে যাও কেন? লজ্জা করে না ! লৌকিক বাবাকে কখনও ভুলে যাও কী? পারলৌকিক বাবা যার থেকে স্বর্গের উত্তরাধিকার পাওয়া যায় তাঁকে ভুলে গেলে তবে তো উত্তরাধিকারও ভুলে যাবে তাহলে কি পদ আর পাবে! যুক্তির দ্বারা বোঝাতে থাকেন। ব্যস্, বাবা এখনই এলেন কি এলেন। আমাদের এখন এই শরীরও চাই না। এ বড় মিষ্টি নলেজ। প্রদানকারীও অত্যন্ত মিষ্টি। অর্ধেককল্প দুঃখে স্মরণ করে এসেছো। বাবা আমাদের সকল দুঃখ থেকে মুক্ত করো। এখন তোমাদের সকল দুঃখ থেকে মুক্ত করেন। যদি আমার মতানুসারে চলো তবেই। আমি তোমাদের বাবা, তাই না! তাহলে কেন বলা যে বাবা আমরা ভুলে যাই। তোমরা তো সন্তান, তাই না! শান্তিদাম, সুখধামে যাবে তো তাই না! আমায় অর্থাৎ বাবাকে স্মরণ করতে পারো না! আমি তোমাদের দ্বিমুকুটধারী বানিয়ে দেব। বাচ্চারা বলে -- হ্যাঁ বাবা, স্মরণ করবো তারপর বলা ভুলে গেছি। আশ্চর্যের তাই না! -- এত স্বর্গের উত্তরাধিকার প্রাপ্ত হয় তথাপি ভুলে যাও ? আচ্ছা!

মিষ্টি মিষ্টি হারানিধি বাচ্চাদের প্রতি মাতা-পিতা বাপদাদার স্মরণের স্নেহ-সুমন আর সুপ্রভাত। আল্লাদের পিতা তাঁর আল্লারুপী বাচ্চাদেরকে জানাচ্ছেন নমস্কার।

\*ধারণার জন্যে মুখ্য সারঃ-\*

১ ) বাবার শ্রীমৎ আর পবিত্রতার শক্তির দ্বারা এই পতিত সৃষ্টিকে পবিত্র করার সেবা করতে হবে। নিজের জন্যে আপন রাজ্য স্থাপন করতে হবে।

২ ) পারলৌকিক পিতা যিনি মধুর থেকেও মধুর, যার কাছ থেকে স্বর্গের উত্তরাধিকার লাভ হয়, তাঁকে নিরন্তর স্মরণ করতে হবে। যোগবলের দ্বারা নিজের রাজত্ব নিতে হবে।

\*বরদানঃ-\*

প্রতিটি বাণীর দ্বারা সঞ্চয়ের খ্যাতি সম্প্রসারণকারী আত্মিক ভাব এবং শুভ ভাবনা সম্পন্ন ভব বাণীর মাধ্যমে ভাব এবং ভাবনা দুই-ই অনুভূত হয়। যদি প্রতিটি বাণীতে শুভ এবং শ্রেষ্ঠ ভাবনা থাকে, আত্মিক ভাব থাকে তাহলে সেই বাণীর দ্বারা জন্মের খাতা বৃদ্ধি পেতে থাকে। যদি বাণীতে ঈর্ষা, দ্বেষ, ঘৃণার ভাবনার কোনও পারসেন্টও সমাহিত থাকে তবে বোলের দ্বারা নষ্টের খাতা বেশী হয়ে যায়। সমর্থ-বোলের(শক্তিশালী) অর্থ হলো -- যে বোলে প্রাপ্তি ভাব বা সারকথা থাকে। যদি বাণীতে সারকথা না থাকে তখন সেই বাণী ব্যর্থের খাতায় চলে যায়।

\*স্নোগানঃ-\*

প্রতিটি কারণকে নিবারণ করে সদা সন্তুষ্ট থাকাই হলো সন্তুষ্টমণি হওয়া।

Normal;heading 1;heading 2;heading 3;heading 4;heading 5;heading 6;heading 7;heading 8;heading 9;caption;Title;Subtitle;Strong;Emphasis;Placeholder Text;No Spacing;Light Shading;Light List;Light Grid;Medium Shading 1;Medium Shading 2;Medium List 1;Medium List 2;Medium Grid 1;Medium Grid 2;Medium Grid 3;Dark List;Colorful Shading;Colorful List;Colorful Grid;Light Shading Accent 1;Light List Accent 1;Light Grid Accent 1;Medium Shading 1 Accent 1;Medium Shading 2 Accent 1;Medium List 1 Accent 1;Revision;List Paragraph;Quote;Intense Quote;Medium List 2 Accent 1;Medium Grid 1 Accent 1;Medium Grid 2 Accent 1;Medium Grid 3 Accent 1;Dark List Accent 1;Colorful Shading Accent 1;Colorful List Accent 1;Colorful Grid Accent 1;Light Shading Accent 2;Light List Accent 2;Light Grid Accent 2;Medium Shading 1 Accent 2;Medium Shading 2 Accent 2;Medium List 1 Accent 2;Medium List 2 Accent 2;Medium Grid 1 Accent 2;Medium Grid 2 Accent 2;Medium Grid 3 Accent 2;Dark List Accent 2;Colorful Shading Accent 2;Colorful List Accent

2;Colorful Grid Accent 2;Light Shading Accent 3;Light List Accent 3;Light Grid Accent 3;Medium Shading 1 Accent 3;Medium Shading 2 Accent 3;Medium List 1 Accent 3;Medium List 2 Accent 3;Medium Grid 1 Accent 3;Medium Grid 2 Accent 3;Medium Grid 3 Accent 3;Dark List Accent 3;Colorful Shading Accent 3;Colorful List Accent 3;Colorful Grid Accent 3;Light Shading Accent 4;Light List Accent 4;Light Grid Accent 4;Medium Shading 1 Accent 4;Medium Shading 2 Accent 4;Medium List 1 Accent 4;Medium List 2 Accent 4;Medium Grid 1 Accent 4;Medium Grid 2 Accent 4;Medium Grid 3 Accent 4;Dark List Accent 4;Colorful Shading Accent 4;Colorful List Accent 4;Colorful Grid Accent 4;Light Shading Accent 5;Light List Accent 5;Light Grid Accent 5;Medium Shading 1 Accent 5;Medium Shading 2 Accent 5;Medium List 1 Accent 5;Medium List 2 Accent 5;Medium Grid 1 Accent 5;Medium Grid 2 Accent 5;Medium Grid 3 Accent 5;Dark List Accent 5;Colorful Shading Accent 5;Colorful List Accent 5;Colorful Grid Accent 5;Light Shading Accent 6;Light List Accent 6;Light Grid Accent 6;Medium Shading 1 Accent 6;Medium Shading 2 Accent 6;Medium List 1 Accent 6;Medium List 2 Accent 6;Medium Grid 1 Accent 6;Medium Grid 2 Accent 6;Medium Grid 3 Accent 6;Dark List Accent 6;Colorful Shading Accent 6;Colorful List Accent 6;Colorful Grid Accent 6;Subtle Emphasis;Intense Emphasis;Subtle Reference;Intense Reference;Book Title;Bibliography;TOC Heading;